८. ऐसा वसंत कब आएगा ?

–जगन्नाथ प्रसाद 'मिलिंद'

ऐसा वसंत कब आएगा ?
जब मानवता के वन–उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख–सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज–कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?
ऐसे वसंत कुछ चले गए,
प्रासादों ही का नहीं, कुटी का
आँगन भी तो है आँगन,
सुख–दुख पर होता है समान
हर मानव के उर में स्पंदन;
सबके प्राणों का पुलक बने,
ऐसा क्षण कौन बुलाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
कवि के मानस में स्वप्न बना
छाया था जो सीमित वसंत,
होगा जन–जन के जीवन में
साकार, विपुल जब वह अनंत,
जब मनुजों का जग, भू पर ही
अभिनव 'नंदन' बन जाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?
सबका समान रवि है, शशि है,
सबका समान है मुक्त पवन;
सारे मानव यदि मानव हैं;
सबके समान हों भूमि–गगन
कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति,
नव विश्व व्यवस्था लाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?

परिचय

जन्म : १९०७, ग्वालियर (म.प्र.)
मृत्यु : १९८६
परिचय : जगन्नाथ प्रसाद 'मिलिंद' जी हिंदी, उर्दू, बांग्ला, मराठी, गुजराती और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। आपने शांति निकेतन तथा महिला आश्रम वर्धा में अध्यापन के साथ–साथ भारत के स्वतंत्रता आंदोलन तथा राजनीति में भी भाग लिया।
प्रमुख कृतियाँ : 'अंतिमा', 'पूर्णा', 'बलिपथ के गीत', 'नवयुग के गान', 'मुक्ति के स्वर' (काव्य संग्रह) आदि।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गीत में 'मिलिंद' जी का कहना है कि सुख–सुविधाओं पर अमीर–गरीब सबका समान अधिकार है। जब सुख–दुख का सभी पर समान प्रभाव पड़ता है तो राष्ट्र–समाज के सुखों में भी महलों एवं कुटियों का समान अधिकार होना चाहिए। कवि का मानना है कि जिस दिन ऐसा होगा; उसी दिन वास्तविक वसंत आ सकेगा।

सबको दे भोजन, वसन, भवन
जिससे जीवन में रस छाए,
खिल जाएँ अधर, हँस दें आँखें,
ऐसा वसंत जग में आए !
ऐसा वसंत तो ग्रीष्म-शिशिर
में भी वसंत कहलाएगा !
ऐसा वसंत कब आएगा ?

—— ० ——

शब्द संसार

प्रसून पुं.सं.(सं.) = फूल
सर्जन पुं.सं.(सं.) = निर्मिति, रचना
रण पुं.सं.(सं.) = लड़ाई, युद्ध
पुलक पुं.सं.(सं.) = प्रेम, हर्ष

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :

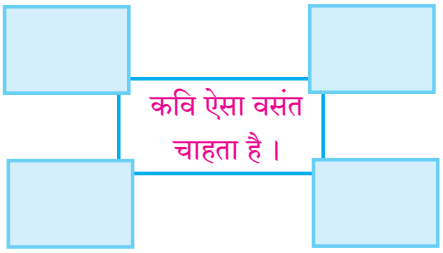

कवि ऐसा वसंत चाहता है।

(२) पर्यायवाची शब्द लिखिए :

१. अधर
२. आँखें

(३) अंतिम सात पंक्तियों का भावार्थ लिखिए ।

स्वाध्याय

*** सूचनानुसार कृतियाँ कीजिए :-**

(१) तुलना कीजिए :

प्राकृतिक वसंत	कवि मन की कल्पना का वसंत

(२) उत्तर लिखिए :

क. वसंत के अलावा पद्य में प्रयुक्त दो ऋतुएँ = ________ , ________
ख. सबके लिए समान है = ________ , ________

(३) निम्न शब्दों के लिए कविता में प्रयुक्त समानार्थी शब्द चुनकर लिखिए :

कमी = ________ मनुष्य = ________
हँसी = ________ चाँद = ________
फूल = ________ वस्त्र = ________
महल = ________ मन = ________

(४) शब्द समूह के लिए एक शब्द लिखिए :

१. जिसकी कोई निश्चित सीमा है
२. जिसका शोषण किया जाता है
३. बिना थके
४. जिसका अंत नहीं

भाषा बिंदु

(१) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

१. खाली हाथ लौटना = ----------
वाक्य : = _____
२. बिना सिर-पैर की बातें करना = ----------
वाक्य : = _____
३. यादों में जाग उठना = ----------
वाक्य : = _____
४. भरापूरा अनुभव करना = ----------
वाक्य : = _____
५. खाली हाथ लौटना = ----------
वाक्य : = _____

(२) निम्नलिखित वाक्यों के अधोरेखांकित शब्दसमूह के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

[चौपट हो जाना, निछावर करना, नाक-भौं सिकोड़ना, मन मारना, फूला न समाना, दंग रह जाना]

- सरकस की गुड़ियों के करतब देखकर दर्शक आश्चर्य चकित हो गए।
.....
- अचानक पिता जी द्वारा पर्यटन पर जाने का निर्णय सुनकर बच्चे बहुत आनंदित हुए।
.....

(३) पाठों में आए सभी प्रकार के अव्ययों को ढूँढ़कर उनसे प्रत्येक प्रकार के दस-दस वाक्य लिखिए।

उपयोजित लेखन

मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन :-

CHQWN3

एक युवक → गलत संगति के चलते बुरी आदतों का शिकार होना → पुलिस के छापे में गिरफ्तार होना

पूछताछ में पुलिस अधिकारी का सच्चाई जानना → समुपदेशन कर उचित सलाह देना → रिहा होकर युवक का पुरानी संगति छोड़कर छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू करना

धीरे-धीरे बड़ा व्यवसायी बनना → अपने जैसे युवकों को नौकरी देना → शीर्षक